RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 158 | नागौर, 09 मई, 2022 (सोमवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान 'असानी'

पूर्वी तट के समानांतर बढ़ने के आसार

नई दिल्ली/भुवनेश्वर।

बंगाल की खाड़ी में रविवार को दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के ऊपर बना गहरा दबाव वाला क्षेत्र बीते छह घंटों के दौरान 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ चक्रवाती तूफान 'असानी' में बदलकर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की दिशा में बढ़ गया। दबाव क्षेत्र सुबह करीब 5.30 बजे बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में कार निकोबार (निकोबार द्वीप समूह) से करीब 450 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर पश्चिम, पोर्ट ब्लेयर से 380 किलोमीटर पश्चिम, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 970 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और पुरी (ओडिशा) से 1030 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में केंद्रित था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा, ''चक्रवात के उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है।'' मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान के 10 मई तक उत्तर-पश्चिम की दिशा में और बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र से सटे उत्तर आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा के तटों की ओर बढ़ने के आसार हैं। इसके बाद, यह उत्तर-उत्तर पूर्वी दिशा की तरफ मुड़करबंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में ओडिशा तट की ओर बढ़ सकता है। आईएमडी के महानिदेशक (डीजी) मृत्युंजय मोहपात्रा ने शनिवार को स्पष्ट किया था कि चक्रवात के ओडिशा या आंध्र प्रदेश के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराने की आशंका नहीं है, लेकिन यह समुद्र में तटीय क्षेत्र के समानांतर गमन करेगा। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात के तटीय क्षेत्र से टकराए बिना अगले हफ्ते तक कमजोर पड़ने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, चक्रवात के प्रभाव से उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर मंगलवार से तेज हवाएं चलने और बारिश होने की आशंका है।

विभाग ने बताया कि चक्रवाती तूफान का नाम 'असानी' रखा गया है, जो 'क्रोध' के लिए इस्तेमाल सिंहली का शब्द है। आईएमडी ने रविवार सुबह 8.30 बजे जारी बुलेटिन में कहा, ''अगले 24 घंटों के दौरान तूफान के उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ने और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गंभीर चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होकर और तेज होने की आशंका है।'' आईएमडी द्वारा चक्रवात के पूर्वानुमान के अनुसार, चक्रवात के 10 मई की शाम तक उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ने और उत्तरी आंध्र प्रदेश व ओडिशा के तटों से बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य एवं उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र तक पहुंचने के आसार हैं।

इसके बाद, इसके उत्तर-उत्तर-पूर्व की तरफ मुड़ने और ओडिशा तट से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, चक्रवात के सोमवार को बंगाल की खाड़ी में 60 समुद्री मील (111 किलोमीटर प्रति घंटा) की गति से आगे बढ़ने की उम्मीद है। उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों की ओर बढ़ने के साथ भीषण चक्रवाती तूफान के मंगलवार से धीरे-धीरे कमजोर होने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि ओडिशा के तटीय जिलों और पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित राज्य के दक्षिणी हिस्से में मंगलवार से हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 10 मई से अगली सूचना तक समुद्र में और पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के तटों पर नहीं जाएं। मौसम विभाग के अनुसार, ओडिशा तट के पास समुद्र की स्थिति नौ मई को खराब और 10 मई को अत्यधिक खराब हो जाएगी। 10 मई को समुद्र में हवा की गति के बढ़कर 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा होने का अनुमान है।

राजस्थान में अब तक का सबसे बड़ा बिजली संकट

1.52 करोड़ उपभोक्ताओं झेल रहे पावर कट

जयपुर।

राजस्थान में बिजली की अधिकतम डिमांड 14 हजार 500 मेगावाट के पार जा चुकी है। जबकि औसत बिजली उपलब्धता 11हजार 500 मेगावाट है। यूनिट की बात करें,तो करीब 27 करोड़ यूनिट बिजली प्रदेश में उपलब्ध है, जबकि जरूरत 32.50 करोड़ यूनिट की है। राजस्थान में मौजूद सभी थर्मल, विंड, सोलर पावर, बायो मास, गैस, लिग्नाइट, पन बिजलीघरों का मिलाकर करीब 20 करोड़ यूनिट ही प्रोडक्शन हो पा रहा है। वहीं देश के अलग-अलग बांध-जलप्रपातों, एनर्जी एक्सचेंज से खरीदने और अन्य राज्यों के बिजलीघरों से राजस्थान को मिलने वाली बिजली करीब 7 करोड़ यूनिट है। इस गैप को उपभोक्ताओं की बिजली कटौती करके पूरा किया जा रहा है।

तीनों बिजली कम्पनियां जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड शहरी, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों में कटौती कर रही हैं। शहरों में रोजाना तय शेड्यूल्ड कटौती के अलावा अघोषित बिजली कटौती ज्यादा हो रही है। जिसे अनप्लांड शटडाउन, मेंटेनेंस या फिर फॉल्ट के चलते कटौती बताया जा रहा है।

राजस्थान के 1.52 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को पावर कट का सामना करना पड़ रहा है। इसमें घरेलू, कॉमर्शियल, इंडस्ट्री और कृषि सभी तरह के कनेक्शन शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश में करीब 1 करोड़ 19 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। जबकि कॉमर्शियल 14 लाख, इंडस्ट्रियल 3.54 लाख उपभोक्ता हैं। एग्रीकल्चर के 15.41 लाख बिजली कनेक्शन हैं। बिजली क्राइसिस के कारण ग्रामीण इलाकों में 6 से 8 घंटे और अन्य उपभोक्ताओं को 2 से 4 घंटे तक पावर कट का सामना करना पड़ रहा है।

लोड शेडिंग से फीडर्स से जमकर बिजली कटौती

लोड शेडिंग से फीडर्स को बंद भी किया जा रहा है। रोस्टर से फीडर्स चलाए जा रहे हैं। जयपुर डिस्कॉम कम्पनी ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 89 फीडर्स रोजाना बंद करके बिजली काट रही है। अजमेर डिस्कॉम 71 फीडर्स और जोधपुर डिस्कॉम कम्पनी 85 फीडर्स बंद करके बिजली कटौती कर रही है। रात 8 से 12 बजे और सुबह 12 से 5 बजे तक सबसे ज्यादा फीडर्स से लोड शेडिंग कर बिजली कटौती की जा रही है। इसी तरह आधा घंटे से कम बिजली कटौती भी हो रही है। जयपुर डिस्कॉम एरिया में 24, अजमेर डिस्कॉम एरिया में 4, जोधपुर डिस्कॉम एरिया में 19 फीडर्स से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती की जा रही है।

औसतन 4 दिन का कोयला बचा

प्रदेश के बिजलीघरों में कोयले की सप्लाई अब तक स्पीड नहीं पकड़ पाई है। अलग-अलग पावर प्लांटों में 3 से 8 दिन का ही कोयला स्टॉक है। छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट में 3 दिन का ही कोयला बचा है। छबड़ा थर्मल, कालीसिंध और सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट में तीनों जगह 4-4 दिन का कोयला बचा है।

रूस-यूक्रेन जंग अपडेट्स:

रूस का यूक्रेन के स्कूल में बनाए गए शेल्टर पर हमला, 60 की मौत

कीव/मॉस्को.

रूस ने रविवार तड़के यूक्रेन के लुहांस्क में एक स्कूल पर हवाई हमले किए। यूक्रेन सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया- यह बमबारी बिलोहोरिखिवा गांव के एक स्कूल पर की गई। यहां आम नागरिकों को हमलों से बचाने के लिए शेल्टर बनाया गया था। यह गांव फ्रंट लाइन से कुछ किलोमीटर दूर है। कुल 90 लोग वहां थे। 30 को बचा लिया गया है। 60 के मारे जाने की आशंका है। हमला उस वक्त हुआ जब शेल्टर में पनाह लेने वाले सभी लोग नींद में थे। इस बीच, अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन यूक्रेन पहुंचीं हैं।

तजिंदर बग्गा को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

10 मई तक गिरफ्तार नहीं कर सकेगी पंजाब पुलिस, अरेस्ट वारंट के खिलाफ देर रात जज का फैसला

नई दिल्ली.

भाजपा नेता तजिंदर सिंह बग्गा ने मोहाली कोर्ट के अरेस्ट वारंट के खिलाफ पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस पर देर रात जस्टिस अनूप चितकारा के घर पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने मंगलवार (10 मई) तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि मंगलवार तक पुलिस इस मामले में कोई एक्शन न ले।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बग्गा के पिता ने कहा कि यह खुशी की बात है और सत्य की जीत है। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा- लोगों ने उन पर विश्वास किया, लेकिन पुलिस का उपयोग कर वे सच को दबाना चाहते हैं। वहीं हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने ट्वीट कर लिखा- न्याय की यह एक और जीत है।

बग्गा के खिलाफ क्या है मामला

पंजाब पुलिस ने 1 अप्रैल 2022 को बग्गा के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठे सांप्रदायिक बयान देने, लोगों को भड़काने, नफरत फैलाने की शिकायत पर केस दर्ज किया था। इस मामले में शुक्रवार को बग्गा को पंजाब पुलिस दिल्ली से गिरफ्तार कर ली थी, लेकिन हरियाणा और दिल्ली पुलिस ने उन्हें छुड़ा लिया था।

बग्गा मामले में अब तक क्या क्या हुआ

1 अप्रैल 2022 को पंजाब पुलिस ने भाजपा नेता बग्गा के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठे सांप्रदायिक बयान देने, लोगों को भड़काने, नफरत फैलाने की शिकायत पर केस दर्ज किया। 11 अप्रैल 2022 को पंजाब पुलिस ने तजिंदर पाल बग्गा को पूछताछ के लिए बुलाया, लेकिन बग्गा नहीं पहुंचे।

कोरोना : 24 घंटे में देश में मिले 3,805 नए केस, 22 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 3,451 नए मामले आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,31,02,194 पर पहुंच गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 20,635 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 40 और मरीजों के जान गंवाने से देश में मृतकों की संख्या बढ़कर 5,24,064 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.05 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है।

मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 332 की वृद्धि देखी गई है। वहीं, संक्रमण की दैनिक दर 0.96 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.83 प्रतिशत दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,25,57,495 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 190.2 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

राजस्थान में गाय पालने का लाइसेंस नहीं लेना होगा

मैंने कह दिया, आदेश कहीं भी लागू नहीं होगा : सीएम गहलोत

जयपुर।

राजस्थान के शहरों में गाय पालने के लिए लाइसेंस लेने का नियम अब लागू नहीं होगा। सीएम अशोक गहलोत ने घोषणा की है कि राजस्थान में कहीं भी आदेश लागू नहीं होगा। इसके साथ ही गहलोत ने गौशालाओं को इसी वित्तीय वर्ष से साल के 9 महीने अनुदान देने की भी घोषणा की है। पहले 6 महीने अनुदान दिया जाता था। गहलोत ने कहा- राज्य सरकार 1 करोड़ रुपए के अनुदान से सभी ग्राम पंचायतों में सामाजिक संगठनों की मदद से गौशालाएं खोलने जा रही है। जयपुर के सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में राजस्थान गौसेवा समिति की ओर से गोरक्षा सन्त हुंकार महासभा के मंच पर गहलोत ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा- हाल ही में हाईकोर्ट के आदेश से एक परिपत्र निकल गया कि घरों में गाय नहीं रख सकते। उसका लाइसेंस हो गया है। उस आदेश के बारे में मैंने सरकार के मंत्रालय से मालूम करवाया है। वह जयपुर में लागू हुआ है। मैंने कह दिया है,

राजस्थान में वह आदेश कहीं भी लागू नहीं होगा। गहलोत ने कहा- मैं घोषणा करता हूं, अब गौशालाओं को 9 महीने के लिए अनुदान मिलेगा। इसी वित्तीय वर्ष से यह अनुदान मिलेगा। उन्होंने कहा राज्य में प्रत्येक ब्लॉक में नंदीशाला के निर्माण पर सरकार 1 करोड़ 56 लाख रुपए का अनुदान देगी।

आरएसएस पर निशाना-हिंसा किसी रूप में बर्दाश्त नहीं-गहलोत ने आरएसएस पर भी निशाना साधते हुए कहा- कुछ आरएसएस के लोग मुझे मिले। मैंने उन्हें मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक संदेश देने को कहा कि हम आरएसएस या बीजेपी के दुश्मन नहीं हैं। हमारी उनसे कोई दुश्मनी नहीं है। होनी भी नहीं चाहिए।

खाली आप एक काम करो कि हिंसा किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं हो। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता है। गांधीजी ने कहा था कि आंख के बदले आंख की नीति पर चलने से सारी दुनिया के अंधे होने का खतरा है। किसी को भी हिंसा बर्दाश्त नहीं करनी चाहिए। हिंसक तत्वों का बहिष्कार करना चाहिए। कार्यक्रम में गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया, राजस्थान गौ सेवा आयोग के चेयरमैन मेवाराम जैन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, श्रम राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई, श्रीमूलक पीठाधीश्वर के राजेन्द्र दास जी महाराज, महंत दिनेश गिरी समेत प्रदेशभर से आए साधु-संत, राजस्थान गौसेवा समिति पदाधिकारी और गौशालाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जहांगीरपुरी हिंसा का मामला

दिल्ली पुलिस को कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी सांप्रदायिक हिंसा केस में शामिल आठ लोगों की जमानत रोहिणी कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी जाने-माने लोकल क्रिमिनल हैं और उनकी रिहाई गवाहों को डरा सकती है। इतना ही नहीं कोर्ट ने अवैध जुलूस को नहीं रोक पाने के लिए दिल्ली पुलिस को फटकार भी लगाई। गौरतलब है कि रामनवमी जुलूस के दौरान जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा में बीस लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस हिंसा में आठ पुलिसकर्मी और एक नागरिक घायल हुआ था। बाद में पता चला कि जुलूस पुलिस की अनुमति के बिना निकला था और मुस्लिम समुदाय के बीच पुलिस की मौजूदगी में ही कहासुनी हुई थी। अदालत ने कहा कि अवैध जुलूस को रोकने और भीड़ को तितर-बितर करने के बजाय, पुलिस अधिकारी जुलूस के साथ थे।

सम्पादकीय

साजिश के तार

पंजाब सुरक्षा को लेकर काफी संवेदनशील राज्य माना जाता है। पाकिस्तान सीमा से सटा होने की वजह से वहां आतंकी गतिविधियों की आशंका लगातार बनी रहती है। इसे लेकर अब चिंता इसलिए बढ़ गई है कि पिछले कुछ दिनों में वहां पुराने अलगाववादी संगठन सक्रिय नजर आए हैं। कुछ दिनों पहले ही खालिस्तान आंदोलन से जुड़े संगठन सिख फार जस्टिस के समर्थकों ने पटियाला में एक जुलूस निकाला, जिसके विरोध में शिव सेना (बाल ठाकरे) नामक संगठन उतरा और दोनों के बीच हिंसक संघर्ष हुआ। पंजाब सरकार उसे लेकर लग रहे आरोपों से अभी उबर नहीं पाई है। इस बीच वहां के एक दूसरे अलगाववादी संगठन बब्बर खालसा के चार सदस्य हरियाणा के करनाल में भारी असलहे, गोला-बारूद, नगदी और खतरनाक विस्फोटक से भरी गाड़ी के साथ पकड़े गए। इन युवकों को फोन के जरिए पाकिस्तान में बैठा उनका सरगना संचालित कर रहा था। पुलिस और खुफिया एजेंसी के संयुक्त दल ने लक्ष्य बना कर उन्हें पकड़ा। पता चला कि ये विस्फोटक तेलंगाना भेजे जा रहे थे। सुरक्षा बलों और पंजाब सरकार के लिए यह इसलिए भी चिंता का विषय है कि जिन अलगाववादी संगठनों को निष्क्रिय मान लिया गया था, वे फिर से सिर उठाने लगे हैं। हालांकि इस बात के पहले से प्रमाण मौजूद हैं कि सिख फार जस्टिस और बब्बर खालसा को कनाडा और पाकिस्तान से वित्तीय मदद मिलती रही है। दोनों संगठनों के मुखिया पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों के गहरे संपर्क में हैं। यानी पाकिस्तानी दहशतगर्द पंजाब के अलगाववादी संगठनों के जरिए अशांति फैलाने की फिराक में रहते हैं। कश्मीर में चौकसी बढ़ने की वजह से जब उन्हें पहले की तरह कामयाबी नहीं मिल पा रही, तो उन्होंने पंजाब में अपने ठिकाने तलाशने शुरू किए हैं। कुछ समय पहले फिरोजपुर में ड्रोन के जरिए जो विस्फोटक गिराया गया, उसमें बब्बर खालसा के मुखिया का ही हाथ था।

ताजा मामले में पुलिस ने उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। मगर इससे स्पष्ट है कि पंजाब में सिर उठा रहे अलगाववादी संगठनों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। पंजाब पहले ही अलगाववाद की आग में काफी झुलस चुका है, अगर जरा भी लापरवाही हुई तो फिर से नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। इसे केवल कश्मीर में पाकिस्तानी दहशतगर्दों की नाकामी से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए, यह भी समझने की जरूरत है कि ये संगठन अचानक क्यों सक्रिय हो उठे हैं। पंजाब में नई सरकार बनी है और मुख्यमंत्री की प्रशासनिक क्षमता को लेकर सवाल उठते रहते हैं। जब-तब विपक्षी दल उनकी कमजोरियों को रेखांकित करते रहते हैं। फिर चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के मुखिया पर खालिस्तान समर्थक संगठन का समर्थक होने का आरोप भी लगा था, जिसका उन्होंने सीधा खंडन नहीं किया था। इस तरह कई सवाल उठते हैं कि क्या इन अलगाववादी संगठन पंजाब सरकार के नरम रवैए का लाभ उठाते हुए तो सक्रिय नहीं हो उठे हैं। हालांकि भगवंत मान सरकार पटियाला में हुई हिंसक घटना के बाद काफी सख्ती से पेश आई और वह बार-बार दोहराती रही है कि वह इस तरह की हरकतों को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगी। मगर उसे इस दिशा में अपना रुख स्पष्ट रखना पड़ेगा कि वह किसी भी रूप में अलगाववादी ताकतों को अपने पांव पसारने नहीं देगी। उसे सख्ती और चौकसी बढ़ानी होगी, ऐसे संगठनों पर लगातार पैनी नजर रखनी होगी।

मोदी ने भारत को अंतरराष्ट्रीय राजनीति की गतिविधियों का केंद्र बना दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के चलते भारत आज अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बन चुका है। दुनिया यह भलीभांति समझ गयी है कि संकट चाहे कोई भी देश लाया हो मगर उसका समाधान भारत ही लायेगा। संकट चाहे महामारी का हो या युद्ध का हो, खाद्यान्न संकट का हो, पर्यावरण सुरक्षा का हो या फिर बिगड़ते वैश्विक आर्थिक हालात का, समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर ही देखती है। यही कारण है कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत से अलग विचार रखने वाले तमाम देश इस मुद्दे के हल के लिए भारत से ही आस लगाये हुए हैं। यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे रूस को लेकर दुनिया के बड़े देशों का क्या रुख है यह किसी से छिपा नहीं है, भारत ने रूस का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिस तरह साथ दिया है वह भी किसी से छिपा हुआ नहीं है लेकिन इसके बावजूद पश्चिमी देश और यूरोपीय देश भारत के साथ रिश्ते प्रगाढ़ करने को आतुर हैं। यही नहीं भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां वर्तमान अंतरराष्ट्रीय हालात में रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि एक साथ उपस्थित हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में रूसी विदेश मंत्री के भारत दौरे के समय ही अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी भारत में ही थे।

भारत की विदेश नीति मोदी सरकार के कार्यकाल में सक्रियता और दृढ़ता के साथ दुनिया की भी चिंता करते हुए भारत के हितों को आगे बढ़ा रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद की ही घटनाओं को देख लीजिये। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ ऑनलाइन द्विपक्षीय वार्ता की और इस दौरान युद्ध पर भारत के रुख को लेकर कोई आलोचनात्मक टिप्पणी नहीं की। यही नहीं अमेरिका के साथ टू प्लस टू वार्ता के दौरान दोनों देशों ने संबंधों को नयी मजबूती प्रदान की। हाल ही में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भारत आये और कई द्विपक्षीय समझौते किये। इसके अलावा दिल्ली में रॉयसीना डॉयलॉग में विभिन्न देशों के नेता और राजनयिक जुटे। अभी प्रधानमंत्री खुद यूरोपीय देशों का दौरा करके आये। इस समय इटली के विदेश मंत्री भारत आये हुए हैं और कारोबार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, हरित ऊर्जा सहित द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा कर रहे हैं।

यूरोपीय देशों की सोच बदली : जहां तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया यूरोप दौरे की बात है तो यह सिर्फ भारत के यूरोपीय देशों के साथ संबंध प्रगाढ़ करने या वहां रह रहे भारतीय समुदाय में जोश जगाने तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि प्रधानमंत्री के इस दौरे ने भारत के बारे में यूरोपीय देशों की सोच बदली है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी इस यात्रा के दौरान जितने भी राष्ट्राध्यक्षों से मिले जरा उन तस्वीरों पर गौर कीजियेगा। प्रधानमंत्री ने विश्व नेताओं के साथ जिस तरह निजी संबंध भी गहरे बनाये हैं उसका लाभ जब-तब भारत को मिलता ही है। आज दुनिया के अन्य देशों की तरह यूरोपीय देश भी हिंद प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक, रणनीतिक और राजनीतिक महत्व को स्वीकार करते हुए इसके लिए अपनी एक नीति बना रहे हैं। और जब आप हिंद प्रशांत क्षेत्र की बात करते हैं तो उसमें सर्वाधिक प्रभावी देश भारत ही है। यूरोपीय देशों ने देखा कि महामारी के समय जीवन रक्षक दवाओं और कोविड-19 रोधी टीकों की उपलब्धता कराना हो, पर्यावरण से रक्षा के लिए लक्ष्य तय करके उस पर ईमानदारी से अमल करना हो या फिर खाद्यान्न अथवा अन्य संकटों के दौरान मदद करना हो, भारत एक सच्चे मित्र देश के रूप में सदा साथ खड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री का जर्मनी दौरा : प्रधानमंत्री के यूरोप दौरे की ही बात करें तो शुरुआत जर्मनी से करते हैं। जर्मनी के साथ कृषि, ऊर्जा, विज्ञान तथा सतत विकास पर केंद्रित कई समझौते तो हुए ही साथ ही जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्ज ने जर्मनी में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित भी किया। पहले कहा जा रहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख को देखते हुए जर्मनी विरोध स्वरूप भारत को जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित नहीं करेगा। शॉल्ज ने माना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन वार्ता में भारत की भूमिका अहम है। भारत ने भी आश्वासन दिया है कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में त्वरित प्रगति के लिए वह प्रतिबद्ध है। इसके अलावा दोनों देशों ने डब्ल्यूटीओ में सुधार के लिए

प्रतिबद्धता भी जताई है। साथ ही भारत और जर्मनी ने स्वतंत्र, मुक्त और समावेशी हिंद-प्रशांत के महत्व पर जोर देते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप निर्बाध वाणिज्य एवं नौवहन की स्वतंत्रता को रेखांकित किया है। इसके अलावा जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज़ ने हिंद-प्रशांत को सबसे गतिशील वैश्विक क्षेत्रों में से एक करार दिया है।

प्रधानमंत्री का डेनमार्क दौरा : वहीं प्रधानमंत्री मोदी के डेनमार्क दौरे की उपलब्धियों पर नजर डालें तो डेनमार्क की कंपनियों और पेंशन कोष ने भारत के बुनियादी ढांचे तथा हरित उद्योगों में निवेश के लिये रुचि दिखाई है। अभी डेनमार्क की कंपनियां भारत में पवन ऊर्जा, पोत परिवहन, परामर्श, खाद्य प्रसंस्करण और इंजीनियरिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं। डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है तो भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2025-26 के लिये अस्थायी सदस्यता के लिये डेनमार्क की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। साथ ही दोनों देशों ने हरित रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का अदान-प्रदान भी किया। भारत-डेनमार्क बातचीत में अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से अपतटीय क्षेत्र में पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन के साथ ही कौशल विकास, स्वास्थ्य, जहाजरानी, पानी और आर्कटिक आदि क्षेत्रों में सहयोग के विषय शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेनमार्क के उद्योगपतियों को निवेश का न्योता देते हुए कहा कि भारत में निवेश से चूक जाने वालों की स्थिति आगे चलकर 'फोमो' जैसी हो जाएगी। हम आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर 'फोमो' की अवधारणा काफी प्रचलित है जिसका आशय किसी चीज से वंचित रहने पर अफसोस होना है।

नॉर्डिक देशों के प्रमुखों से मुलाकात : इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने डेनमार्क की राजधानी में दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के इतर अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात की। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर से प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और विकास संबंधी सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा की।

आज का राशिफल

मेष
बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे।

वृषभ
वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है।

मिथुन
जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी।

कर्क
व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें।

सिंह
धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी।

कन्या
मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

तुला
दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक
प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें।

धनु
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी।

मकर
विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा।

कुंभ
समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मीन
राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

व्यापार समाचार

मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल ने दीं 1.5 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली।

रिलायंस रिटेल का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। कंपनी का दावा है कि पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2021-22 में उसने रिकॉर्ड 1 लाख 50 हजार नई नौकरियां पैदा की हैं, वह भी तब जब पूरी दुनिया कोविड महामारी के दुष्परिणामों से जूझ रही थी। कंपनी के वित्तीय परिणामों के मुताबिक रिलायंस रिटेल का स्टाफ 70 फीसदी बढ़ कर 3 लाख 61 हजार हो गया है। रिटेल और अन्य बिजनेस में कुल मिलाकर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2 लाख 10 हजार नई नौकरियां दी हैं। कंपनी के वित्तीय परिणामों में यह बात सामने आई है। गौर करने वाली बात यह है कि रिलायंस रिटेल ने जो 1.5 लाख नई नौकरियां दी हैं, उनमें से 1 लाख से अधिक नौकरियां छोटे व मंझोले शहरों में दी गई हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक रिलायंस रिटेल छोटे व मंझोले शहरों में नई नौकरियां इसलिए

दे पाई क्योंकि इन शहरों में उसके स्टोर्स का नेटवर्क तेजी से बढ़ा है। स्टोर्स के साथ इन शहरों में डिजिटल और न्यू कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स का विस्तार भी तेजी से हुआ है।

केवल पिछली तिमाही में खोले 793 नए स्टोर्स : पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस रिटेल ने रोजाना करीब 7 नए स्टोर्स के हिसाब से कुल 2500 से अधिक स्टोर्स खोले। सिर्फ पिछली तिमाही में ही कंपनी ने 793 नए स्टोर्स अपने पोर्टफोलियो में जोड़े हैं। बताते चलें कि कंपनी के स्टोर्स की कुल संख्या 15 हजार के पार पहुंच गई है। स्टोर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलायंस रिटेल के रजिस्टर्ड ग्राहकों की संख्या 19 करोड़ 30 लाख के पार जा पहुंची है।

टाटा स्टील इस दशक में और अधिग्रहण नहीं करेगी, खुद के संसाधनों से विस्तार करेगी : नरेंद्रन

कोलकाता।

टाटा स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने कहा है कि कंपनी पर इस दशक में नए अधिग्रहणों का कोई दबाव नहीं है, बल्कि वह अपने मौजूदा कारोबार के विस्तार एवं बिक्री में वृद्धि पर ध्यान देगी। टाटा स्टील के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी उत्पादन को दोगुना से अधिक कर वृद्धि हासिल करेगी और अपने मौजूदा संसाधनों के जरिये विस्तार करेगी। नरेंद्रन ने दिए साक्षात्कार में कहा, ''बीते कुछ वर्षों में हमारी ज्यादातर वृद्धि अधिग्रहण के जरिये (इनऑर्गेनिक ग्रोथ) रही है। आज हम ऐसी स्थिति में हैं जहां वृद्धि की सभी आकांक्षाओं की पूर्ति हमारे मौजूदा स्थलों पर विस्तार के जरिये हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''उत्पादन को 4-5 करोड़ टन सालाना (एमटीपीए) तक पहुंचाने के लिए हमें नई परिसंपत्तियों के

अधिग्रहण की वास्तव में कोई आवश्यकता नहीं है। फिलहाल हमारा उत्पादन दो करोड़ टन का है। इस दशक में हम खुद के विस्तार के जरिये वृद्धि पर जोर देंगे।'' कंपनी ने 2018 में भूषण स्टील का अधिग्रहण किया था। 2019 में उसने उषा मार्टिन का अधिग्रहण किया था। चालू अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक वह नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अधिग्रहण पूरा कर लेगी। कंपनी की विस्तार योजनाओं के बारे में नरेंद्रन ने कहा कि एनआईएनएल का उत्पादन 10 लाख टन से बढ़ाकर एक करोड़ टन सालाना किया जाएगा। वहीं कलिंगनगर संयंत्र का उत्पादन 30 लाख टन से 80 लाख टन और फिर 1.6 करोड़ टन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''बड़े अवसर और योजनाएं बन रही हैं।'' यूक्रेन पर रूस के हमले की पृष्ठभूमि में टाटा स्टील के रूस से कोयला आयात रोकने के निर्णय के बारे में नरेंद्रन ने कहा कि इतने ही कोयले का आयात अन्य देशों से आसानी से किया जा सकेगा। उन्होंने इस्पात की कीमतों में और वृद्धि के अनुमान को खारिज किया। उन्होंने कहा, ''इस्पात की कीमतों में ज्यादातर वृद्धि फरवरी से अप्रैल के बीच की गई।

अभी लागत स्थिर है इसलिए इस्पात की कीमतें भी स्थिर हैं।'' नरेंद्रन ने कहा कि 2022-23 की पहली तिमाही में देश में इस्पात की कीमतें पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की तुलना में 8,000-8,500 प्रति टन अधिक रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस समय इस्पात उद्योग में मांग-आपूर्ति की स्थिति अधिक संतुलित है और यह कुछ समय तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में इस्पात की खपत लगातार बढ़ेगी।

रेपो दर में वृद्धि नहीं, इसका समय हैरान करने वाला था : सीतारमण

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल में नीतिगत दरों में बढ़ोतरी का फैसला नहीं, बल्कि इस निर्णय का समय हैरान करने वाला है। कोष की लागत बढ़ने से सरकार के नियोजित बुनियादी ढांचा निवेश पर असर नहीं पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने गत चार मई को प्रमुख रेपो दर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 4.40 प्रतिशत कर दिया। इसके अलावा नकद आरक्षित अनुपात को भी 0.50 फीसदी बढ़ाकर 4.5 प्रतिशत किया गया है। रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में वृद्धि के लिए यूक्रेन युद्ध के बाद मुद्रास्फीति के बढ़े हुए दबाव और कच्चे तेल की कीमतों में हुई वृद्धि का हवाला दिया है। सीतारमण ने शनिवार शाम को यहां एक कार्यक्रम में दरों में वृद्धि के फैसले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय बैंक की दर वृद्धि का समय एक आश्चर्य की तरह था, न कि दर वृद्धि।

लोग सोच रहे थे कि यह काम किसी भी तरह किया जाना चाहिए था। आश्चर्य इसलिए हुआ कि यह फैसला मौद्रिक नीति समिति की दो बैठकों के बीच में हुआ।'' उन्होंने कहा कि अप्रैल की शुरुआत में हुई पिछली एमपीसी बैठक में रिजर्व बैंक ने संकेत दिया था कि यह उनके लिए भी कदम उठाने का समय है।

मुद्रास्फीति की चुनौती से निपटने को 'ब्रिज पैक' रणनीति को आगे बढ़ा रही है हिंदुस्तान यूनिलीवर

नई दिल्ली।

दैनिक उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल) का मानना है कि अगली कुछ तिमाहियों तक मुद्रास्फीतिक दबाव कायम रहने की वजह से परिचालन वातावरण चुनौतीपूर्ण बना रहेगा। एचयूएल के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, इस चुनौती से पार पाने के लिए कंपनी 'ब्रिज पैक' रणनीति अपना रही है जिसमें वह उच्चतम और सबसे कम कीमत वाले उत्पादों के बीच की श्रेणी के उत्पाद लेकर आएगी। जहां कंपनी बचत पर जोर देना जारी रखेगी, वहीं वह क्रमिक मूल्यवृद्धि भी करेगी। इसके साथ ही उसे अल्पावधि में मार्जिन में गिरावट की आशंका भी है। एचयूएल के मुख्य वित्त अधिकारी रितेश तिवारी ने मार्च तिमाही के नतीजों पर एक कार्यक्रम में कहा, ''आगे देखें, तो निकट भविष्य में परिचालन वातावरण चुनौतीपूर्ण बना रहेगा। हमें क्रमिक आधार पर और अधिक मुद्रास्फीति की आशंका है। विकास मुख्य रूप से मूल्य-आधारित होगा।

अपने उपभोक्ता आधार को बनाए रखने और उसे आगे बढ़ाने के साथ ही सोच-विचार कर दाम बढ़ाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ''कीमत और लागत का अंतर बढ़ने पर हमारे मार्जिन में लघु अवधि

में गिरावट आएगी।'' इसी चुनौती से निपटने के लिए कंपनी ने 'ब्रिज पैक' रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। मसलन, कंपनी हाल ही 16 रुपये की कीमत में लाइफबॉय साबुन लेकर आई है। यह उत्पाद लाइफबॉय के ही 10 रुपये और 36 रुपये कीमत वाले अन्य उत्पादों के बीच की श्रेणी में रखा गया है। तिवारी ने कहा कि इस तरह की पेशकश उपभोक्ताओं को बेहतर मूल्य मिलता है और वे अपेक्षाकृत कम दाम पर भी अच्छे ब्रांड के उत्पादों को खरीद पाते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें इससे अधिक बिक्री मिलती है। इसके अलावा विनिर्माता एवं विक्रेता के तौर पर भी हमें बेहतर मूल्य मिलता है। लिहाजा ब्रिज पैक को हम सभी जिंस-प्रभावित श्रेणियों में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।''

हवाईअड्डों पर स्थानीय कारीगरों के उत्पादों की होगी बिक्री, एएआई की स्वयं सहायता समूहों से भागीदारी

नई दिल्ली।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने विभिन्न हवाईअड्डों पर स्वयं सहायता समूहों को जगह देनी शुरू कर दी है, जहां इन समूहों से जुड़े कारीगर स्थानीय स्तर पर विकसित अपने उत्पादों की बिक्री कर सकेंगे। क्षेत्र के कुशल कारीगरों के लिए 'बिक्री स्थल के रूप में हवाईअड्डा' यानी 'अवसर' पहल के तहत स्वयं सहायता समूह अगरतला, कुशीनगर, उदयपुर और मदुरै समेत 12 हवाईअड्डों पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन पहले से कर रहे हैं। एएआई ने बताया कि वाराणसी, कालीकट, कोलकाता, कोयंबटूर और रायपुर समेत कई अन्य शहरों के हवाईअड्डों पर भी संबंधित राज्यों सरकारों के समन्वय से स्थानीय समूहों को उत्पादों की बिक्री के लिए जगह दी जाएगी। विशाखापत्तनम, रायपुर, सिलचर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट के हवाईअड्डों पर भी स्थानीय समूहों को जगह देने की प्रक्रिया चल रही है। संजीव कुमार ने कहा, ''अवसर पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों को हवाईअड्डों पर न केवल एक मंच उपलब्ध करवाना है बल्कि यात्रियों को स्थान विशिष्ट की विरासत और लोकाचार से परिचित करवाना भी है।

काजी की मुख्य पदवी को लेकर छिड़ा विवाद

शाही ईमाम ने पेश किए चीफ शहरकाजी के दस्तावेज

ईद स्नेह मिलन समारोह के दौरान दी जानकारी

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : रविवार को बड़ा बास स्थित काजियों की पोल में ईद स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जहां शहरकाजी सैय्यद मुहम्मद अली ने साम्प्रदायिक सौहार्द का पैगाम दिया उन्होंने लाडनूँ का मुख्य शहरकाजी एक ही है इस संबन्ध में मीडिया के सामने सभा के दौरान अपने दस्तावेज पेश किये।

लाडनूँ का चीफ शहरकाजी होने का दावा : शाही ईमाम व शहर काजी सैय्यद मुहम्मद अली ने कहा कि लाडनूँ में एक ही चीफ शहरकाजी है इसके अलावा कोई अपने नाम के साथ चीफ शहरकाजी लिखता है तो वह फर्जी है उनके खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने भरी सभा मे चैलेंज देते हुए अपने दस्तावेज आमजन व मीडिया के सामने दिखाकर कहा कि लाडनूँ में उनके अलावा कोई अन्य ईमाम अपने नाम के आगे चीफ शहरकाजी या काजी ए शहर नहीं लिख सकता अगर वे इसको साबित कर दे तो मैं अपनी चीफ शहर काजीयत के पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूँ। उन्होंने स्वर्गीय शहर काजी मुहम्मद अयूब अशरफी व उनके सुपुत्र सैय्यद मुहम्मद मदनी अशरफी के अपने नाम के आगे चीफ शहरकाजी लिखने का एतराज जताते हुए कहा कि लाडनूँ जमीयत अहले हदीष के शेख मोहम्मद साबिर सल्फी व उनके बीच निकाह पढ़ाने को लेकर भी न्यायालय में मुकदमा चला उस दौरान भी शहरकाजी अपने दस्तावेज पेश नहीं कर पाए सबूतों के अभाव में कोर्ट ने भी उनकी चीफ को अधूरी माना है। शहरकाजी सैय्यद मुहम्मद अली ने अपने संबोधन मे कहा आपसी मुहब्बत में लाडनूँ एक मिसाली शहर रहा है उसी मिसाल को कायम रखते हुए उन्होंने हिन्दू मुस्लिम भाईचारे को मजबूती देने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान हाजी गीगे खान मोयल ने चीफ शहर काजी पद के असली हकदार सैय्यद मुहम्मद अली के होने की वकालत की। उन्होंने देश में आपसी सौहार्द का पुल तैयार करना कर इस्लाम की इस शिक्षा को आगे बढाने की बात कही। जगदीश यायावर ने भी साम्प्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाये जाने व दस्तावेज एंव शाही कानून के अनुसार लाडनूँ के मुख्य शहर काजी एवं शाही ईमाम पद के लिए सैय्यद मुहम्मद अली को ही काबिल बताया। शंकर आकाश ने कहा कि हम सब एक आदम की संतान है। उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम इस देश रूपी एक रथ के दो पहिये हैं इनके मेल से ही यह देश आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने सूफी और सनातन धर्म में काफी समानताओं का जिक्र किया।

आईसक्रीम टैम्पों व ट्रेक्टर की भिड़ंत

एक महिला की मौत, पति व दो बच्चे हुए घायल

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : तहसील के गुनपालिया गांव के पास रविवार को सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई व उसके पति सहित दो बच्चे भी घायल हो गये जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हाई सेंटर रैफर किया गया। हेड कांस्टेबल गजेंद्रसिंह ने बताया कि पुलिस को सड़क हादसे की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची जहां आईसक्रीम बेचने वाले टेम्पो की पत्थरों से लदे हुए ट्रेक्टर से भिड़ंत हो गई, जिससे टेम्पों में सवार एक ही परिवार के 3 लोग घायल हो गए व डाली पत्नी मोहनराम उम्र 40 वर्ष निवासी मुकुंदपुरा तहसील रायपुर, भीलवाड़ा की मौके पर मौत हो गई व उसका पति मोहनराम व दो छोटे बच्चे घायल हो गए।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को लाडनूँ की राजकीय अस्पताल मोर्चरी में रखवा दिया व घायलों को ईलाज के लिए भर्ती करवाया। जानकारी के अनुसार परिवार आईस क्रीम व फालूदा बेचकर अपना पेट पाल रहा था गुरुवार को इसी टेम्पो में सभी बैठकर एक स्थान से दूसरे स्थान की और जा रहे थे कि हाईवे पर ट्रेक्टर से टक्कर हो गई। पुलिस ने ट्रेक्टर को जब्त कर लिया है जबकि चालक मौके से फरार हो गया।

मेड़ता रोड में विद्युत कटौती को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

किसानों को बिजली नहीं तो बन्द करो सिटी लाईट भी

33 केवी जीएसएस पर किसानों ने बोला धावा

एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोड(नागौर डेली न्यूज) : मेड़ता सिटी उपखंड क्षेत्र के मेड़ता रोड कस्बे में पिछले काफी समय से विद्युत की अव्यवस्था को लेकर गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को विद्युत विभाग के 33 केवी जीएसएस पर विरोध प्रदर्शन कर आला अधिकारियों तक विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन के दौरान मेड़ता रोड, जारोड़ा, कूपड़ास, छापरी, जाजड़ा बास, हंसियास व रिंया श्यामदासआदि गांव के लोग मौजूद थे। ग्रामीणों ने कहा कि पिछले दो माह से मेड़ता रोड, जारोड़ा, कूपड़ास, छापरी, जाजड़ा बास, हंसियास व रिंया श्यामदासआदि सहित कई गांवो व ढाणियों में बिजली की बार बार कटौती की जा रही है। जबकि सरकार ने बिजली का बिल 50 यूनिट तक फ्री करने की बजट में घोषणा की थी, लेकिन लगता है विभाग के अधिकारी विद्युत कटौती करके इस 50 यूनिट बिजली की पूर्ति करना चाहते हैं। यह उचित नहीं है। किसानों ने बताया कि अघोषित बिजली कटौती से किसानों की फसलें जलने लगी है तथा बार बार ट्रिपिंग के कारण किसानों के वाटर पंप भी जल रहे हैं जिसके कारण किसानों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है।

इनका कहना है

कोयले की कमी के कारण प्रदेश में विद्युत उत्पादन में कमी आने के कारण थोड़ी सी बाधा उत्पन्न हो रही है। राज्य सरकार विभाग के अधिकारी समस्या का निराकरण करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं जैसे ही कोयला उपलब्ध होता है विद्युत सप्लाई सुचारु रुप से चालू कर दी जाएगी। लाइनों का बार-बार ठीक हो ना अधिक लोड करें कारण होता है जिसको भी हम सुधारने की कोशिश कर रहे हैं तथा किसानों को निर्धारित मापदंड के अनुसार विद्युत सप्लाई दी जाएगी। गोपाल कृष्ण शर्मा सहायक अभियंता विद्युत विभाग मेड़ता रोड

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मनोज भगत ने सेवाकार्य कर मनाया जन्मदिन

कमल सैन

मौलासर(नागौर डेली न्यूज)। जरूरतमंदों की सेवा के लिए युवा जागरूक हो रहे हैं। अब अपने जन्मदिन पर फिजूलखर्च न कर समाजसेवा में रुचि ले रहे हैं। ऐसा ही पुण्य का काम किया है पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मनोज भगत ने अपने जन्मदिन पर सार्वजनिक स्थानों पर पानी का कैंपर और पक्षियों के लिए परिंडे बांधे। वहीं निजी स्कूल में बच्चों को स्टेशनरी वितरित की। जानकारी के अनुसार पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रहे मनोज भगत ने पाने जन्मदिन को एक अलग तरीके से मनाया उन्होंने फिजूलखर्ची ना करके अपना जन्मदिन दान पुण्य करके मनाया। वहीं उन्होंने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री दी। साथ ही शिक्षा का महत्व समझाया। इस अवसर पर धर्मेंद्र भार्गव, मेघाराम भगत, सोहन घसवा, पवन, रामकुमार, हरिराम सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अब 10 तारीख तक जमा करा सकेंगे मुकद्दस सफर हज की पहली किस्त

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : इस साल प्रस्तावित हजयात्रा के चयनित हजयात्रियों के लिए अग्रिम जमा राशि कि पहली किस्त और पासपोर्ट सहित अन्य जरूरी दस्तावेज जमा कराने की अन्तिम तारीख 6 मई को बढ़ाकर 10 मई 2022 तक कर दी गई है। मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदर मोहम्मद शकील ने बताया कि स्टेट हज कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार 65 वर्ष से कम उम्र के हजयात्री जिनका वेटिंग लिस्ट में 1 से 150 तक नम्बर है वे अपना मूल इन्टरनेशनल पासपोर्ट, सफेद बैकग्राउंड की पासपोर्ट साइज की दो रंगीन फोटो, कोविड -19 का टीके की दोनों डोज लगी होने का प्रमाण पत्र, आवेदक का मेडिकल प्रमाण पत्र, बैंक खाते की पासबुक अथवा कैन्सिल चैक की प्रति

आदि दस्तावेज स्टेट हज कमेटी जयपुर के ऑफिस हज हाऊस में जल्दी ही जमा करवा दे ताकि उसका चयन होने पर हज कमेटी के द्वारा सूचना करने पर उनको हज की पहली किस्त की अग्रिम राशि जमा करवानी होगी साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि हज कमेटी द्वारा हज 2022 की तैयारियां जारी है जो आगामी 15 दिनों में मुकम्मल कर ली जायेगी हज ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शनिवार से शुरू हो गए हैं उसके प्रश्चात हजयात्रियों के टीकाकरण एवं प्रशिक्षण का केम्प के कार्यक्रम जल्दी ही तय किये जायेंगे इसके बाद में हज की फ्लाइट की उड़ानों का सिलसिला मई के महिने के आखिरी सप्ताह से शुरू होने के आसार हैं।

काबरा 10वीं बार निर्विरोध कुचामन विकास समिति अध्यक्ष निर्वाचित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : क्षेत्र की प्रतिष्ठित 44 साल पुरानी स्वयंसेवी संस्था कुचामन विकास समिति के प्रति 3 वर्षों से होने वाले चुनाव में शनिवार की रात्रि को नर्बदा गार्डन में साधारण सभा में ओमप्रकाश काबरा को आगामी तीन वर्ष 2022-25 तक सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया साथ ही नटवरलाल बक्ता कार्यकारी अध्यक्ष, गोकुल सारड़ा एवं श्यामसुन्दर मंत्री उपाध्यक्ष, बनवारीलाल मोर सचिव, सुभाष रावंका उपसचिव एवं शिवकुमार अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। सभा में समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ सदस्य हरीशचन्द्र कुमावत ने पूर्व कार्यकारिणी को ही यथावत रखने का सदन में प्रस्ताव रखा। उपस्थित सभी सदस्यों ने कर्तन ध्वनि से ताली बजाकर अनुमोदन किया। चुनाव अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजयकुमार गुप्ता ने चुनाव की सभी प्रक्रिया पूरी करते हुये काबरा एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। रात्रि भोज के पश्चात कायक्रम का समापन हुआ।

समिति की चल रही है 22 योजनाएं : निर्वाचन पश्चात काबरा ने अपने सम्बोधन में बताया कि वर्तमान में 22 स्थायी परियोजनायें चल रही है। आगामी तीन वर्षो की योजना के बारे में उन्होने बताया कि शीघ्र ही कल्याण मण्डपम के सामने विकास स्कूल में वृद्धाश्रम प्रारम्भ किया जायेगा।

इसका निर्माण अन्तिम चरण में है साथ ही घाटी कुआ स्थित सिटी डिस्पेन्सरी को जनता क्लिनिक में प्रारम्भ किया जायेगा, जिसके आदेश राज्य सरकार से हो गये है। निर्माण कार्य प्रगति पर है।

ये पेन्डिंग कार्य भी होंगे शीघ्र

कुचामनसिटी रेलवे स्टेशन पर समिति को मुख्य प्लेटफार्म पर 2400 वर्गफीट जमीन रेल विभाग द्वारा आवंटित की गई है जिस पर मंत्री परिवार की तरफ से दो मंजिला यात्री विश्रामालय, रिटायरिंग रूम लॉकर एवं फर्नीचर युक्त सभी सुविधाओं के साथ निर्माण कराकर रेलवे विभाग को संचालन हेतु सुपुर्द किया जायेगा। आगामी जुलाई से समिति के बी.के. बिड़ला आई.टी.सी. शाकम्भरी रोड स्थित बिल्डिंग में राजस्थान स्कील युनिवर्सिटी के तत्वावधान में छात्राओं हेतु फैशन डीजायनिंग, ब्यूटी पार्लर के डीप्लोमा एवं डीग्री कोर्स प्रारम्भ किये जायेंगे। कुचामन महाविद्यालय में क्षेत्र की नवीन टेकनोलॉजी से युक्त 150 छात्र-छात्राओं की क्षमता की ई-लाईब्रेरी को भी आगामी सत्र में छात्रहीत में प्रारम्भ किया जायेगा।

आरकेसीएल आईटीजीके का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

शौकत खान

नागौर(नागौर डेली न्यूज)। आदित्य होटल नागौर में रविवार को आरकेसीएल एसएलवी द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि आरकेसीएल एमडी रविंद्र शुक्ला, अध्यक्ष प्रोजेक्ट अभय शंकर, रीजनल मैनेजर महेश सिन्हा तथा एसएलवी सर्विस प्रोवाइडर के निर्देशक ओपी पुरोहित सहित ने कार्यक्रम में भाग लेकर आईटीजीके को सम्मानित किया। एसएलवी के जिला कोऑर्डिनेटर नेमाराम कुमावत ने बताया कि आरकेसीएल के एमडी रविंद्र शुक्ला ने आरकेसीएल द्वारा चलाए जा रहे हैं कोर्सों के बारे में तथा आरकेसीएल कोर्स सभी भर्तियों में मान्य होने के बारे में जानकारी दी और जल्द ही 10 नए कोर्स तथा 1 वर्षीय कोर्स भी जल्दी ही लागू किया जाएगा और मई-जून मे होने वाले एडमिशन की भी जानकारी दी और कहा कि कंप्यूटर का युग है और इसमें हम आरकेसीएल कोर्स द्वारा विद्यार्थियों को नई नई जानकारी जैसे ई मित्र का ज्ञान, टेली का ज्ञान, एक्सेल, वर्ड, पावर पॉइंट, एकाउंटिंग सहित कई प्रकार के कोर्स आरकेसीएल द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हैं जो छात्र छात्राएं करके निश्चित जॉब सकते हैं इस अवसर पर एसएलवी निदेशक ओपी पुरोहित ने जिला टॉपर हुए तहसील टॉपर को सम्मानित किया जिला कोऑर्डिनेटर नेमा राम कुमावत ने आरकेसीएल द्वारा जिला टॉपर तथा तहसील टापर्स का सम्मान किया। इस अवसर पर आरकेसीएल एमडी रविंद्र शुक्ला, प्रोजेक्ट हेड अभय शंकर, रीजनल मैनेजर महेश सिन्हा, एसएलवी निदेशक ओपी पुरोहित, जिला कोऑर्डिनेटर नेमाराम कुमावत, पंकज पारीक, धन्नालाल कुमावत नावा, गोविंद सिंह मेड़ता, शौकत खान डेगना, सचिन जैन नागौर, मोहसिन खान डीडवाना, मोहम्मद जावेद खान नागौर, संजय खान नागौर, कन्हैया लाल नावा, नंदलाल शर्मा, चेनाराम कटारिया, हेमंत दाधीच, रामलाल, नवीन जांगिड़ सहित नागौर जिले के आईटीजीके सेंटर उपस्थित रहे।

पीएफआरडीए निरस्त कर पेंशन स्कीम फंड की राशि वापस करें केन्द्र सरकार

शिक्षक संघ शेखावत ने दी आन्दोलन की चेतावनी

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : केन्द्र सरकार के अधीन पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण आयोग द्वारा जनवरी 2004 के बाद नियुक्त राजस्थान सरकार के कर्मचारियों की न्यू पेंशन स्कीम फंड में जमा 39 हजार करोड़ की राशि लौटाने से इन्कार करने का राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) ने विरोध किया है। जिला मंत्री प्रेम सिंह चौधरी ने बताया कि 2009 में यूपीए-2 की सरकार बनी तब 2013 में सरकार ने भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से लोक सभा में पैंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण विधेयक पीएफआरडीए बिल पारित किया। संगठन 2003 से ही लगातार न्यू पैंशन स्कीम एनपीएस का विरोध कर रहा है।

विकास कार्य व सौगाते दिलाने पर उप मुख्य सचेतक का जवानपुरा के ग्रामीणों ने किया स्वागत

मारोठ में जल्द खुलेगी महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे के निकटवर्ती श्यामगढ़ ग्राम पंचायत के राजस्व गांव जवानपुरा में राजकीय प्राथमिक विद्यालय को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कर्मोनत करने पर रविवार को जवानपुरा में उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी का स्वागत समारोह रखा गया। राजस्थान सरकार के मुख्य उप सचेतक महेंद्र चौधरी का जवानपुरा के ग्रामीणों ने श्यामगढ़ बस स्टैंड से स्वागत करते हुए डीजे के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों के साथ जवानपुरा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में पहुंचे। इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी का ग्राम वासियों द्वारा गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाया व देवनारायण भगवान की तस्वीर भेंट की। कार्यक्रम में उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। मेरा पानी, शिक्षा, चिकित्सा पर विशेष जोर है । पानी को लेकर कहा कि घर घर पानी के कनेक्शन कर पानी पहुंचाया जा रहा।

कुचामन बंद रहा सफल, सैकड़ों वाहनों के साथ निकाली तिरंगा यात्रा रैली

केन्द्र सरकार द्वारा 2 सालों से सेना भर्ती नहीं निकालने के विरोध में शिक्षानगरी में दिखा जबर्दस्त प्रदर्शन

निजी डिफेंस एसोसिएशन, निजी शिक्षण संस्थान एसोसिएशन सहित शहर के कई सामाजिक व व्यापारिक संगठनों से मिला बंद को समर्थन

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। शहर में निजी डिफेंस व कोचिंग एसोशिएशन द्वारा 'भारत रक्षा युवा संघर्ष समिति' के तत्वावधान रविवार को भव्य तिरंगा यात्रा रैली निकालकर पिछले 2 वर्षों से केन्द्र सरकार द्वारा सेना में नई भर्तियां जारी नहीं करने के विरोध में जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रात: सवा आठ बजे रैली काला भाटा की ढाणी स्थित डीडवाना रोड बाईपास चौराहे से शुरु होकर चूंगी नाका, अहिंसा सर्किल, अम्बेडकर सर्किल, पुराना बस स्टैंड, स्टेशन रोड, कुचामन महाविद्यालय होते हुए कुचामन वैली पहुंचकर सम्पन्न हुई। कुचामन निजी शिक्षण संस्थान अध्यक्ष गोविन्दाराम शेषमां, खेमाराम रणवां, सोहनराम सुण्डा, मानसिंह, कर्नल नन्दकिशोर ढाका ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित किया तथा केन्द्र सरकार से शीघ्र से शीघ्र भर्ती निकालने की मांग की। कुचामन निजी डिफेंस एकेडमी एसोसिएशन के अध्यक्ष सुल्तानसिंह कल्याणपुरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तैद रही। थानाधिकारी हनुमानराम चौधरी व डिप्टी संजीव कटेवा ने पूरी तरह से व्यवस्था को संभाले रखा।

बंद को सभी का मिला समर्थन

रैली में कुचामन के निजी डिफेंस, कोचिंग, स्कूल, कॉलेज संचालक शामिल हुए। भारत बंद अभियान में कुचामन के सभी सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों, कुचामन विकास समिति, कुचामन जागरण मंच, हाथ ठेला एवं थड़ी यूनियन, टैम्पो यूनियन, अखिल भारतीय किसान सभा, कम्यूनिस्ट पार्टी, कुचामन विकास परिषद्, संस्कृति जागरण समिति, भीम आर्मी, भारत एकता मिशन, भगतसिंह यूथ ब्रिगेड सहित शहर के सभी सामाजिक एवं स्वयं सेवी संगठनों ने भी समर्थन मिला। शहर के सभी व्यापार मण्डलों ने युवाओं के हित वाले इस फैसले का स्वागत किया तथा बंद में पूर्ण समर्थन दिया। निजी डिफेंस एसोएिशन के अध्यक्ष सुल्तानसिंह कल्याणपुरा ने बताया कि एयरफोर्स एनरोलमेंट जून-जुलाई 2021 में होने वाला था, लेकिन अब तक नहीं होने से सेना में भर्ती होने की चाहत रखने वाले युवाओं के सपनों के साथ कुठाराघात हुआ है। एयरफोर्स की लिखित परीक्षा 12 से 18 जुलाई के मध्य हुई, जिसका परिणाम आज दिन तक जारी नहीं नहीं किया गया जबकि इसका परिणाम परीक्षा के 15-20 दिनों के बाद ही घोषित कर दिया जाता है। संगठन ने कोरोनाकाल के कारण भर्तियों में आए व्यवधान के मद्देनजर आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट दिए जाने की भी मांग की है।

ये प्रबुद्धजन हुए शामिल

रैली में जाट महासभा अध्यक्ष दानाराम राठी, कॉमरेड अब्बास खान, सरपंच मोहन किरडोलिया, सरपंच देवीलाल दादरवाल, सरपंच प्रतिनिधि मनमोहन दहिया, पूर्व सरपंच केसाराम रणवां, ठेला यूनियन अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक, सरपंच भूराराम कूदणा, पिंटू पोषक, धर्माराम कूदणा, रिछपाल कूदणा, भूराराम दूधवाल, मदनलाल मूण्ड, राजू सुन्दरिया, सूरजीत सोहू, राहूल जांगिड़, हुकमाराम ठेकेदार, सूरजीत सोहू, भागूराम कॉमरेड, योगेश जाखड़, सागर चौधरी, शेखर कड़वा, मुकेश किल्डोलिया, लिखमाराम चौधरी, राजेश चौधरी, फारूख खान, जगदीश कुलहरी, परसाराम बुगालिया सहित सैकड़ों की संख्या में शहर के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारी मौजूद थे।

ये रहे रैली में मौजूद

कुचामन बंद एवं तिरंगा रैली में अध्यक्ष सुल्तानसिंह कल्याणपुरा, संरक्षक इन्द्रसिंह राठौड़, सचिव भूराराम शेषमां, कार्यकारी अध्यक्ष कर्नल नन्दकिशोर ढाका, सहसचिव बेगाराम कूकणां, कोषाध्यक्ष हितेश्वर जाखड़, उपाध्यक्ष विनोद पौड़, जीवणराम जाखड़, गोविन्द चौधरी, महेन्द्र ग्वाला, खींवराज कलिया, दानाराम डूकिया, लक्ष्मणराम बुगालिया, सुखाराम चौधरी, पवन भाकर, सहकोषाध्यक्ष राकेश बोचलिया, सुरेन्द्र गोदारा, मालसिंह शेखावत, रामेश्वर मील, सुरेन्द्रसिंह शेखावत, धर्मेन्द्र बाजडोलिया, शिवराज चौधरी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

उपमुख्य सचेतक से मिला प्रतिनिधि मंडल

रैली के बाद सुजानपुरा प्याऊ के पास डिफेंस एकेडमी के प्रतिनिधि मंडल ने उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने अपनी मांगे चौधरी के समक्ष रखी। चौधरी ने कहा कि 2 वर्षों से एक भी भर्ती जारी नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है। महेन्द्र चौधरी ने आश्वासन दिया कि वे इस गंभीर मसले को आगे तक उठायेगें। गौरतलब है कि इस बंद का उपमुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी तथा नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल सहित जिले के सभी विधायकों ने शनिवार को पूर्ण समर्थन किया था। डीडवाना विधायक चेतन डूडी ने भी सेना भर्ती अतिशीघ्र करने की मांग को लेकर ट्वीट किया था।

संगीत सदन में होगा डेढ़ माह का समर कैम्प

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : भारतीय संगीत सदन में आगामी 15 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा। दो वर्ष के कोरोना काल की बंदी के बाद हो रहे इस समर कैंप की तैयारी और प्रयोजना के संबंध में आयोजित प्रबंध मंडल की एक संगोष्ठी का आयोजन नटवरलाल वक्ता की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें निर्णय हुआ कि स्मृति शेष श्रीमती उर्मिलादेवी अग्रवाल धर्मपत्नी सत्यनारायन कनोई मुंबई की स्मृति में उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कैम्प में गायन, वादन, हरमोनियम, तबला और पश्चिमी वाद्य गिटार स्पेनिश, आर्गन पियानो तथा शास्त्रीय नृत्य कथक, लोक नृत्य एवम वेस्टर्न डांस का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए बाहर से शिक्षकों को नियुक्ति दी गई है। सर्व सम्मति से निर्णय हुवा कि वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध शिक्षक विनोद आचार्य को शैक्षणिक व्यवस्था संभालने हेतु आमंत्रित किया जाए।

सदन के व्यवस्थापक भानुप्रकाश औदिच्य के अनुसार प्रात: आठ बजे से ग्यारह बजे और अपरान्ह चार बजे से सात बजे तक आयोज्य इस कैम्प के लिए प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन सोमवार से सदन में प्रारंभ होगा।

पुस्तकालय सभागार मैं आयोजित इस सभा में शिव कुमार अग्रवाल, प्रदीप आचार्य, अजीत जैन, प्रकाश दाधीच, असलम, रमेश चावला, प्रभात प्रधान, सत्यनारायण मोर, यूसुफ भाटी, मनोज भारद्वाज, विमल पारीक आदि उपस्थित थे।

बस स्टैण्ड पर नहीं मिलती रोडवेज बसों की टिकट, यात्री परेशान

जायल उपखण्ड पर एकमात्र रोडवेज टिकट खिड़की वर्षो से फांक रही है धूल

यात्रियों को पूछताछ और टिकट को लेकर करना पड़ता है परेशानी का सामना

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : शहर में उपखंड स्तर के सभी विभागों के सरकारी कार्यालय यथावत रूप से संचालित हो रहे हैं लेकिन मुख्य बस स्टैंड पर स्थित राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की एकमात्र टिकट खिड़की वर्षों से बंद पड़ी धूल फांक रही है। इसके चलते आए दिन सैंकड़ो यात्री रोडवेज पूछताछ और टिकट को लेकर परेशानी का सामना कर रहे हैं, मगर किसी भी जिम्मेदार ने इस तरफ सुध लेने का प्रयास नहीं किया। राजस्थान राज्य पथ परिवहन की जायल बस स्टैंड स्तिथ रोड़वेज टिकट बुकिंग खिड़की पर पिछले ढाई साल से ताला लगा है, जिससे रोडवेज में यात्रा करने वाले सैकड़ो यात्री दिन पर परेशान रहते है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्री सर्वाधिक परेशान रहते है। पूछताछ के अभाव में मजबूरन उन्हें निजी बसों एवं टैक्सी का सहारा लेकर यात्रा करनी पड़ती है, जिससे राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को भी काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

60 से 70 रोडवेज गुजरती है रोज : नागौर ओर डीडवाना के बीच अनेक डिपो की लगभग 60 से 70 रोडवेज की बसे गुजरती है। लेकिन रोडवेज खिड़की के अभाव में इन बसों को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय नागौर डीडवाना मार्ग पर 100 किलोमीटर की दूरी में कोई रोडवेज खिड़की संचालित नहीं है। विभाग द्वारा ऑनलाइन टिकट योजना की भी सम्पूर्ण जानकारी के अभाव में रोडवेज को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बसें बदल कर यात्रा करनी पड़ती है। लबी दूरी की गाड़ियां संचालित होने के बावजूद लम्बे समय से खिड़की बन्द होने इस मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर दिल्ली हरिद्वार जयपुर कोटपूतली जोधपुर बाड़मेर जैसलमेर रामदेवरा सीकर खेतड़ी पाली आदि मार्गो पर 60 से अधिक रोडवेज बसों का संचालन होता है । मगर रोडवेज खिड़की पर पूछताछ के अभाव में यात्रियों को दिनभर परेशानी रहती है।

राजस्व को भी लग रहा है चूना

यात्रियों को पूछताछ के अभाव ओर निजी बसों से प्रतिस्पर्धा के चलते अन्य साधनों के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है। रोडवेज की जानकारी के अभाव के चलते राजस्थान राज्य पथ परिवहन की लंबी दूरियो की बसों को राजस्व नहीं मिलने से मुख्यालय द्वारा लंबी दूरी की गाड़ियों को बन्द कर दिया गया है जिससे जायल सहित आसपास के गांवो के लोगो को यात्रा करने में भारी दिक्कत झेलनी पड़ रही है।

इनका कहना

बस स्टेण्ड स्थित रोडवेज टिकट खिड़की पिछले काफी समय से बंद पड़ी है, जिससे यात्रियों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रोडवेज मुख्यालय द्वारा पिछले दिनों हनुमानगढ़ , दिल्ली मार्ग पर संचालित होने वाली लम्बी दूरियों की गाड़ियों को बंद कर दिया है, जिससे जायल सहित सम्पूर्ण उपखण्ड से लम्बी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सन्दीप चतुर्वेदी, अध्यक्ष टैक्सी यूनियन जायल।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com